"अपना चेहरा न पोंछा गया आपसे,
आइना बेवजह तोड़ कर रख दिया"

मैं यह नहीं चाहता, हम किसी को कोई दोष नहीं दे रहे हैं, लेकिन अगर यह गलत हो, ईश्वर करे कि यह गलत हो, लेकिन फिर यह कैसे साबित हो, जो चीज़ उभर कर आई है, वह यह है कि उस माफिया की जो बातचीत हुई, वह एक बड़े जिम्मेदार मैम्बर के साथ हुई, जो इस सदन में बैठे हुए हैं।

श्री उपसभापति : वे इसके बारे में कहेंगे।

श्री उदय प्रताप सिंह : वे कहेंगे, मैं यह चाहूँगा कि वे जरूर कहें। मैं तो सिर्फ यह निवेदन कर रहा हूँ कि जो बात उभर कर आई, वह यह आई कि एक समझौता हुआ, एक सौदेबाजी हुई ...

श्री उपसभापति : अब उनका स्टेटमेंट सुन लेंगे न।

श्री उदय प्रताप सिंह : वह बहुत खतरनाक है। सौदेबाजी यह हुई कि आप अपने एक रिश्तेदार के लिए एक नाजायज जमीन पर दबंगी से कब्जा करवा देंगे, उसके बदले में हम आपका मन पसन्द आदमी वहाँ रखेंगे और जो एक सख्त आदमी है, उसको नहीं आने देंगे।

श्री उपसभापति : देखिए, जब वे स्टेटमेंट दे रहे हैं, तो सुन लीजिए। अब रेकार्ड में यह क्यों जाए? आप सुन लीजिए। मंत्री जी, आप स्टेटमेंट दीजिए।

श्री उदय प्रताप सिंह : हम यह नहीं कह रहे हैं, हम बिल्कुल नहीं कह रहे हैं। हम तो यह कह रहे हैं कि इसकी जाँच करवाई जाए।

श्री उपसभापति : मंत्री जी, आप स्टेटमेंट दीजिए।

PERSONAL EXPLANATION - *Contd.*

Shri Manikrao Gavit, Minister of State in the Ministry of Home Affairs made a personal explanation in regard to certain matters concerning him raised in the House

गृह राज्य मंत्री (श्री माणिक राव गावित) : सम्माननीय उपसभापति जी, मैं इस विषय में अपना व्यक्तिगत स्पष्टीकरण देना चाहता हूं। जैसाकि आप सभी जानते हैं मेरा संसदीय क्षेत्र नंदुरबार इस समय बाढ़ से पीड़ित क्षेत्र है। इस कारण मैं दिनांक 9 अगस्त, 2006 से संसदीय क्षेत्र के दौरे पर था तथा दिनांक 13 अगस्त, 2006 को ही दिल्ली लौटा। क्षेत्र में व्यस्तता के

1.00 P.M.

कारण मैं थकान महसूस कर रहा था तथा मेरी तबियत भी ठीक नहीं थी। मुझे शाम को टी0वी0 चैनल के माध्यम से पता चला कि मैंने जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश जेल में किसी सुन्दर सिंह भाटी नामक माफिया से टेलिफोन पर बात की है जोकि टेप की जा रही थी। उन से मेरी अपने दामाद की जमीन के खरीद-फरोख्त के बाबत बात हुई है तथा उस ने मुझे जेल के जेलर का तबादला रुकवाने का मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश से अनुरोध किया है। मैंने वार्ता के दौरान कोड, सीमित, रिफरेंस तथा पोलाईट जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। आप मेरे संसद की पिछले लोक सभा की कार्यवाही से जांच कर के देख लें क्या मैंने कभी इस तरह की भाषा का प्रयोग किया है?

जैसाकि आप सभी माननीय सदस्यगण जानते हैं, मैं पिछली आठ लोक सभाओं में निरंतर चुनकर आ रहा हूं तथा मेरी भाषा में मराठी का पुट साफ झलकता है। आप सभी माननीय सदस्यगण पिछले लंबे समय से मेरी भाषा को सुन रहे हैं तथा आपने मेरी उस टेलीविजन के माध्यम से बोली गई उस भाषा को भी सुना होगा। यह फोन किस नंबर से किया गया था, यह फोन किस के नाम से है क्या इन सब बातों की जांच की गयी है? शायद यह सब सुनने के बाद आप स्वयं निर्णय कर लें।

मैंने अपने अब तक के जीवन में कभी कोई गैर-कानूनी कार्य नहीं किया है। न तो मैं जिला बुलंदशहर के बाबत जानता हूं न ही अपने जीवन में भाटी नाम के माफिया से मिला हूं, न ही उसमें मेरी आवाज है। यदि यह सब टेप हो रहा है तो किसकी आवाज़ है और किस टेलिफोन से बात की जा रही है? इसके अतिरिक्त मेरा यह भी मानना है कि क्या संबंधित टी0वी0 चैनल को ये सब बातें दिखाने से पहले कम-से-कम मुझसे कुछ बातों की पुष्टि नहीं कर लेनी चाहिए थी? मेरा यह भी मानना है कि इस की पुष्टि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी से भी कर लेनी चाहिए थी। मैं इस बारे में पार्टी स्तर से अलग होकर कहना चाहता हूं कि यदि मैं इस बारे में रत्तीभर भी कसूरवार हूं तो हर सज़ा के लिए तैयार हूं तथा किसी भी प्रकार की जांच के लिए भी तैयार हूं। मैं इस सभा से वायदा करता हूं कि मैं इस मामले में रत्तीभर भी दोषी पाए जाने पर अपने राजनीतिक जीवन से संयास ले लूंगा।

अंत में, मेरा आपसे अनुरोध है कि बिना किसी ठोस सबूत के बदनाम करने वाले चैनल के विरुद्ध भी कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि इस चैनल ने बिना किसी ठोस सबूत के मेरे विरुद्ध प्रचार कर के मेरी अब तक की साफ, ईमानदार तथा एक भले इंसान की छवि को धूमिल किया है। मुझे दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि जिस बात की सच्चाई चैनल अपने स्तर पर ही दिखाने से पहले 10 मिनट में करने में समर्थ है, फिर उसने यह सब क्यों किया? मैं तो लोक सभा की कमेटी से भी जांच कराने को तैयार हूं। यह जांच जल्दी-से-जल्दी हो तथा अधिवेशन पूरा होने से पहले पूरी कर ली जाए। जांच पूरी होने तक मैं किसी भी सरकारी और संसदीय काम में भाग नहीं लूंगा।

श्री शरद यादव (बिहार) : सर, ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : यह तो ठीक है ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव : हम भी इस पर बोलेंगे। ...(व्यवधान)... यह गलत बात है ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : इस पर डिबेट तो नहीं होनी चाहिए ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव : सर, मैं एक मिनट के लिए निवेदन करना चाहता हूँ। ये भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री हैं। मैं इनको बीस सालों से जानता हूँ। मान्यवर, मैं बीस सालों से इनको लोक सभा में जानता हूँ। इसमें न तो इनकी आवाज़ है और न ऐसी कोई चीज़ है। मैं इनके बारे में यह कहना चाहता हूँ, जो कबीर ने लिखा है-

कबीरा हम पैदा भये, झीनी-झीनी बीनी चदरिया,
दास कबीर जतन से ओढ़ी, जस की तस रख दीनी चदरिया।

माणिक राव एक ऐसा एम0पी0 है, जिसके जीवन को मैं 20 वर्षों से जानता हूँ। देश में जिस तरह से यह काम चला हुआ है, यह ऐसी मामूली बात नहीं है, जिसको आप इस तरह से कह रहे हैं कि हो गया, हो गया। ...(व्यवधान)... यह होने वाली बात नहीं है। मैं आप से कहना चाहता हूँ कि सरकार इस पर रिएक्ट करे, पाँच दिनों के भीतर इसकी जाँच करने का काम करे। यदि यह बात सही नहीं है, तो फिर इस तरह के काम को बन्द करने के लिए सख्त-से-सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह बात इस तरह से नहीं उठ सकती ...(व्यवधान)... कोई आदमी ईमानदारी और सच्चाई से जीवन बिताए, जो आदमी 8 बार से हिन्दुस्तान की संसद में आता रहा है, जिसको 20 लाख लोग चुनकर भेजते हैं और उसको एक दिन में पूरे देश भर में ऐसा बेनकाब कर दिया जाए। मैं जब टी0वी0 पर इनका इंटरव्यू देख रहा था, तो मुझे तकलीफ हो रही थी। किस तरह से उनसे पूछा जा रहा था और किस तरह सच्चाई के साथ वे बोल रहे थे। एक आदमी तनहा 8 वर्षों से इस संसद में आता है। देश भर में यह वातावरण चला हुआ है, पूरे चैनल पर 24 घंटे। लोकतंत्र में राजनीतिक लोग अलग हो जाएँगे, तो इस देश में कौन राज करेगा? जो अच्छे लोग हैं, उनका कोई जिक्र नहीं होता और इस तरह के सच्चे लोगों के बारे में इस तरह की बात चलेगी और आप इसको कहेंगे कि नहीं, हो गया, हो गया। यह होने वाला मामला नहीं है, उपसभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : ऐसा नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव : इस मामले में सख्त-से-सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ...(व्यवधान)... ये अमर सिंह जी हैं, इनका क्या हुआ ...(व्यवधान)... यह गलत बात है ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : इनफॉरमेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्टर बोलना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : महोदय, ये टी0वी0 चैनल्स अपनी रेटिंग बढ़ाने के लिए इसको दिखलाते हैं ...(व्यवधान)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, the hon. Minister wants to speak.

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, अपनी रेटिंग बढ़ाने के लिए ये चैनल्स sensational news दिखलाते हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव : आप सभी माननीय सदस्यों की बात सुन लें ...**(व्यवधान)**...

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार) : सर, ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप एक-एक करके बोलिए ...**(व्यवधान)**... सब एक साथ ...**(व्यवधान)**...

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश) : सर, ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप एक-एक करके बोलिए ...**(व्यवधान)**... नहीं-नहीं, आप एक-एक करके बोलिए ...**(व्यवधान)**... आप बैठिए न ...**(व्यवधान)**... आप एक-एक करके बोलिए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, ...**(व्यवधान)**...

श्री अमर सिंह : सर, ...**(व्यवधान)**... मैं इनके जवाब से सहमत हूँ। इस गलत तरह के टेप से, जिस तरह से उसका राजनीतिक इस्तेमाल किया जाता है और जिस तरह से मैं सुप्रीम कोर्ट में गया और प्राइवेसी लॉ बनाने की बात कही गई है, तो सरकार जल्दी-से-जल्दी प्राइवेसी लॉ बनाए। यह जो चैनल और अखबार अपनी टी0आर0पी0 बढ़ाने के लिए टेपों का गलत इस्तेमाल करते हैं, और हमारे राजनीतिक साथी, जब उनके अपनों पर पड़ती है, तो चुप रहते हैं और दूसरों के लिए इस्तेमाल करते हैं ...**(व्यवधान)**... इसका भी विरोध होना चाहिए ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : सुषमा जी, आप बोलिए ...**(व्यवधान)**... आपने बोल दिया ...**(व्यवधान)**... आपने बोल दिया...**(व्यवधान)**... सुषमा जी, आप बोलिए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : उपसभापति जी, जो बात शरद भाई ने कही है, उससे सम्बद्ध करते हुए मैं एक बात कहना चाहती हूँ। कल जब यह केस वहाँ दिखाया गया, उसके तुरन्त बाद उस चैनल ने मुझसे सम्पर्क साधा और मुझसे पूछा कि इसके बारे में मुझे क्या कहना है। मुझे यह बात कहते हुए गर्व है कि विपक्ष में रहने के बावजूद मैंने उनसे कहा कि यह आवाज़ माणिक राव गावित की नहीं है ...**(व्यवधान)**... मैंने यह कहा कि माणिक राव गावित का यह लहजा नहीं है। तो उन्होंने कहा कि आप यह बात कैसे कह रही हैं? इस पर मैंने कहा माणिक राव गावित जी मेरे साथ दस दिनों के लिए विदेश यात्रा पर गए थे। हंगरी, रूमानिया और बुल्गारिया गए थे। मैंने उनकी आवाज़ को बहुत अच्छी तरह से जाना और पहचाना है। जब आपका चैनल यह बार-बार चला रहा था, तो मैंने टी0वी0 पर कान लगाकर भी कोशिश की कि मैं आवाज़ पहचानूँ, लेकिन मैं आपसे कह रही हूँ कि इस पर बोलना तो दूर, मैं आपको कह रही हूँ कि यह आवाज़ उनकी नहीं है, यह लहज़ा उनका नहीं है। आपने यह खबर दिखाकर उनके साथ अन्याय दिया है। उसके बाद उन्होंने मुझे बोला कि हम उनका इंटरव्यू लेने के लिए गए थे और उन्होंने भी यही बात कही कि यह आवाज उनकी नहीं है। इसीलिए, सुबह जब यह बात हो रही थी कि यह मामला उठाया जाए, तो मैंने बार-बार यह बात कही थी कि आवाज़ उनकी नहीं है। शरद जी ने कहा कि पाँच दिनों में जाँच पूरी कर ली जाए। मैं खड़े होकर विपक्ष की तरफ

से कहना चाहती हूँ कि किसी जॉच की आवश्यकता ही नहीं है। आपने कहा कि आप सरकारी कार्य और संसदीय कार्य में भाग नहीं लेंगे। गावित जी, आप पूरी तरह निर्दोष हैं। आप बिल्कुल भाग लीजिए। किसी भी कमेटी से जॉच कराने की आवश्यकता नहीं है। मैं आपको अपनी तरफ से यह प्रमाण दे रही हूँ। आप दस दिन मेरे साथ थे। मैं आपकी आवाज़ को जानती हूँ, आपके लहज़े को जानती हूँ, आप जिस तरह के शब्द प्रयोग करते हैं, उसको मैं जानती हूँ। मैं उसके आधार पर सदन में खड़े होकर कह रही हूँ कि आप पूरी तरह निर्दोष हैं। इस कन्वर्सेशन में बातचीत आपकी नहीं है।

श्री मंगनी लाल मंडल : *

श्री उपसभापति : मंडल जी, मंडल जी ...**(व्यवधान)**... वह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा ...**(व्यवधान)**... He is not a member of this House.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दास मुंशी) : उपसभापति महोदय, आज सुबह लोक सभा में इस बात के ऊपर चर्चा हुई। हमारे आदरणीय मंत्री माणिक राव गावित जी ने जैसे यहां स्पष्टीकरण दिया है, वैसे वहां भी अपना स्पष्टीकरण पेश किया था। उनकी बात सुनकर स्पीकर साहब ने फैसला सुनाया कि सभी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कि किस प्रकार की जांच होगी, उसको वे तय करेंगे। सरकार इस जांच में पूरा सहयोग करेगी। जो सच सामने आएगा, वह सच सदन में, दोनों सदन में, 25 तारीख के पहले हम पेश करेंगे। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a very serious matter. ...*(Interruptions)*... It is a very serious matter. ...*(Interruptions)*...

श्री सीताराम येचुरी (पश्चिमी बंगाल) : सर, एक ही बात कहनी है। मंत्री महोदय, आप यह भी आश्वासन दीजिए कि आने वाले दिनों में इस तरीके के काम न हों, इसके लिए जो भी कानून बनाना है, यह कानून आप बनाएंगे और जल्द से जल्द यहां उसे लेकर आएंगे। यह भी आश्वासन आप दीजिएगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री अमर सिंह : सर, जो टेप का मिसयूज हो रहा है। अगर टेप करके कोई उसका राजनैतिक इस्तेमाल करता है, अनधिकृत रूप से गलत प्रयोग करता है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का एक आदेश भी है। इसके बारे में आप क्या कर रहे हैं? ...**(व्यवधान)**... टीआरपी बढ़ाने के लिए, अखबार, मीडिया के माध्यम से सनसनी फैलाने के लिए अगर गलत बात होती है, तो उसके बारे में आप क्या कर रहे हैं? ...**(व्यवधान)**... सर, मैंने एक केस सुप्रीम कोर्ट में दायर किया था। ...**(व्यवधान)**... आज माणिक राव गावित हैं, कल सुषमा जी होंगी, फिर शरद यादव जी होंगे, हम भी इसके भुक्तभोगी हैं, तो यह जो चीज बहुत गलत हो रही है, इसको रोकने के लिए आप कुछ करिए। माणिक राव गावित जी के बारे में किसी को कोई संदेह नहीं है, लेकिन आप सूचना मंत्री हैं, आप इस सूचना तंत्र को कैसे ठीक करेंगे? वह बताइए।

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल) : सर, एक सेकेंड। I just want to say, क्योंकि अभी यह सारी बात आ गई है, लेकिन शरद जी ने जैसा कहा, अगर जांच के बाद यह स्पष्ट हो कि यह बिल्कुल गलत है, तो उसके बाद जो इनकी मानहानि हुई है, उसके बारे में क्या कार्रवाई होगी? आप वह बात बताइए कि आप क्या कार्रवाई करेंगे? ...**(व्यवधान)**...

---

* Not recorded.

श्री प्रियरंजन दास मुंशी : सर, मैं यह कहना चाहता हूँ सदन को, ...**(व्यवधान)**... सर, जांच के बाद अगर निकलेगा कि हमारे मंत्री जी जिम्मेदार हैं, तो उनके ऊपर सरकार कदम उठाएगी और अगर यह साबित होगा कि मंत्री महोदय जिम्मेदार नहीं हैं, गलत ढंग से यह इस्तेमाल किया गया है, तो कितना भी सख्त कदम हो, हम लोग उठाने के लिए तैयार हैं।

श्री सीताराम येचुरी : कानून बनाने का करेंगे?

श्री प्रियरंजन दास मुंशी : सर, जहां तक कानून का सवाल है, जैसा सीताराम येचुरी जी ने कहा कानून बनाने के बारे में, तो हिंदुस्तान में अगर किसी अखबार या किसी टेलीविजन चैनल पर थोड़ा सा भी आप अंकुश डालें, तो पूरे देश में हल्ला हो जाता है कि मीडिया मे कोई हस्तक्षेप हो रहा है।...**(व्यवधान)**... एक मिनट, एक मिनट। आप ही लोग करते हैं, आप लोग वहां से कुछ कहते हैं। मैं आपको, इस सदन को विश्वास दिलाकर कहता हूँ कि ब्रोडकास्टिंग बिल के बारे में आज शाम से सभी स्टेक-होल्डर के साथ चर्चा शुरू हो रही है, एक कांप्रेहिंस ब्रोडकास्टिंग बिल हम लोग अगले सत्र में ला रहे हैं, उसके अंदर इसका अंग भी रहेगा।

श्री अमर सिंह : नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने प्राइवेसी के बारे में बिल बनाने के लिए कहा है या नहीं कहा है? मैंने सुप्रीम कोर्ट में एक केस दायर किया था और उसमें सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: This matter, which Amar Singhji is stating, is also under consideration in various respects, including the Communications Ministry. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : सर, एक मिनट, मेरा निवेदन सुन लीजिए।

श्री उपसभापति : नहीं, नहीं। उनका जवाब हो गया ।

श्री शरद यादव : सर, प्रेस की आजादी के साथ जुड़ा सवाल है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि एक एम.पी. है, एक मिनिस्टर है, कानून में जो है, वह दूसरा प्रावधान है, जब माणिक राव जी यदि मान लो कि शिकायत करें और आपके सामने यह गलत साबित हो जाए, तो आप प्रेस की आजादी को छोड़कर के क्या कार्रवाई होगी?

श्री उपसभापति : वह इंडीविजुअल जा सकते हैं।...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव : सरकार के पास बहुत कानून हैं। इस तरह के मामले में क्या कार्रवाई करेंगे? यह मैंने आपसे पूछा है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: I do not like to prejudge and prejudice the whole issue till the hon. Speaker talks to the leaders and devise a common mechanism to inquire and till the output/outcome of the inquiry comes, I cannot make prejudgement. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The hon. Minister is a Member of the other House. The Speaker is already seized of the matter. ...*(Interruptions)*... Let us not discuss it further. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद अनंतराव जोशी (महाराष्ट्र) : सर।

श्री उपसभापति : बस अब हो गया।

श्री शरद अनंतराव जोशी : सर, एक बात, जो बड़ी महत्वपूर्ण है। एक चैनल पर बार-बार यह कहा गया कि उसके बाद 24 घंटे के अंदर तबादला हुआ। इससे माणिक राव गावित जी के चरित्र पर बहुत बड़ा आघात हुआ है। क्या इसके बारे में होम मिनिस्टर साहब कुछ स्पष्टीकरण देंगे? क्योंकि यह 23 मई को संभाषण हुआ और 24 मई के पहले वह जो जेलर था, उसका तबादला हुआ। क्या यह सच है? ...**(व्यवधान)**...

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SHARAD PAWAR): Transfer of a jailor is the right of the State Government. ...*(Interruptions)*... How can he have a *locus standi*? ...*(Interruptions)*... He has no authority. ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): It is in the State List. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापति : अच्छा, अब प्रियरंजन दास मुंशी जी एक स्टेटमेंट करेंगे। ...**(व्यवधान)**... लंच आवर डिसपेंस हो गया है।

SHRI SHARAD PAWAR: His name is mentioned last in the list. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रियरंजन दास मुंशी : सर, मैं सदन की इजाजत इसलिए मांग रहा हूँ कि इंडोनेशिया का एक बड़ा डेलीगेशन आया है, जिन्होंने आज ही शाम को चले जाना है। उस डेलीगेशन ने हमको मिलने के लिए टाइम लिया है तीन बजे के बाद, तो उस डेलीगेशन को मिलने के लिए हमको एक प्रोग्राम को एडजस्ट करना पड़ा। ...

श्री उपसभापति : ठीक है, आप बोलिए।

STATEMENT BY MINISTER

Launching of Doordarshan's Urdu channel by Prasar Bharati from 15th August, 2006

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दास मुंशी) : सर, उर्दू हिन्दुस्तान की एक अहम ज़बान है। 52 मिलियन आवाम ने इसे मादरी ज़बान करार दिया है। उर्दू बोलने और समझने वालों की असल तादाद इससे भी कहीं ज्यादा है। उर्दू वालों की आबादी पूरे मुल्क में फैली हुई है - जुनूब में कर्नाटक से आंध्र तक, शुमाल में उत्तरांचल से लद्दाख तक, मगरिब में गुजरात और राजस्थान तक, पूरब में झारखंड और बिहार तक। उर्दू